GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION
Recognised by ERC, NCTE: Affiliated to VBU Hazaribagh

प्रतिकृति

Bulletin ISSUE July-August - 2016

From the Directors' Desk

Dear Students

Formation of consortium of all B.Ed Colleges of Koderma District is an achievement, not for us only, but for each individual college of the district. We believe, this consortium will be proved a source of inspiration for others . This is an unique idea to follow. We congratulate all Principals and Teachers for such a positive approach. We are also happy to see our students developing through academics and through various activities like "Independence 70", "Fine Arts session", organising week long "Environment Awareness Programme".

Good Wishes to you all. Take Care. Be Happy and Be Active.

मनीष कपसिमे **अविनाश सेठ** **अरूण मिश्रा**

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

From Principal's Desk

महाविद्यालय के सत्र 2015–17 के छात्र–छात्रायें जुलाई माह के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई थी में सम्मिलित हुए तत्पश्चात् अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में ही द्वितीय सेमेस्टर की कक्षायें प्रारम्भ हो गई। बी0 एड0 के पाठ्यक्रम में छात्र–छात्राओं के व्यावसायिक कौशल के विकास पर काफी बल दिया गया है इसी दर्शन पर आधारित चित्र–कला प्रतियोगिता (कला संबंधी विकास हेतु), निबंध प्रतियोगिता (लेखन एवं विश्लेषण सम्बन्धी कौशल के विकास हेतु) तथा क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस माह का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन जो मानव संसाधन विकास विभाग, भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सम्पूर्ण देश में आयोजित हो रहा था – स्वतंत्रता की 70वीं वर्षगाँठ याद करो कुर्बानी का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीयता एवं देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा अमर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आगे संस्थान ने एक सार्थक प्रयास करते हुए कोडरमा जिला के सभी शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों को एक मंच पर आमंत्रित कर उनके बीच संस्थागत रिश्तों को मजबूत करने तथा छात्रों के बीच समूह गतिशीलता एवं सहभागिता की भावना विकसित करने की दिशा में एक रचनात्मक प्रयास किया गया। इसी कार्यक्रम के तत्वावधान में सभी बी0 एड0 महाविद्यालयों को 'ग्रीन इण्डिया' मिशन के तहत् अपने–अपने महाविद्यालयों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की गई। सभी महाविद्यालयों ने ऐसा कार्यक्रम आयोजित भी किया जो उक्त प्रयास के सफलता को दर्शाती है। इतना ही नहीं महाविद्यालय ने Fine Arts का दो दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित किया जिसमें छात्र–छात्राएँ काफी लाभान्वित हुए। अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में 'ग्रिजली नेचर क्लब' ने पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम प्रारम्भ किया जो सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक चला। इस प्रकार विगत जुलाई तथा अगस्त में ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने पाठ्यक्रम आधारित शैक्षिक गतिविधियों के साथ–साथ शैक्षिक नवाचार को काफी महत्वपूर्ण तरीके से आत्मसात् किया तथा क्रियान्वित किया।

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month July & Aug' 2016

Formation of Koderma District Inter B.Ed. College Consortium

Plantation Programme by Koderma District Inter B.Ed. College Consortium

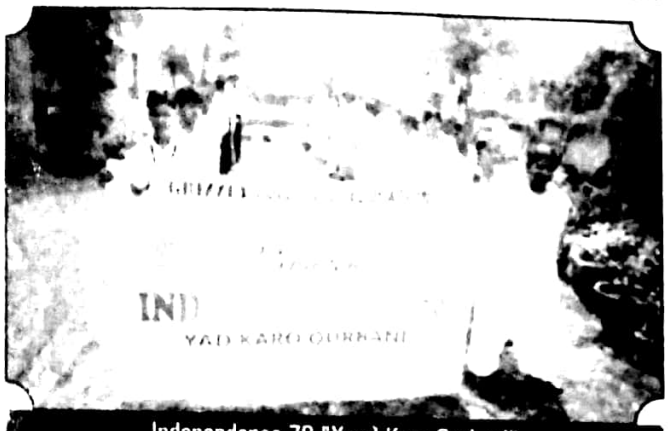

Independence 70 "Yaad Karo Qurbani"

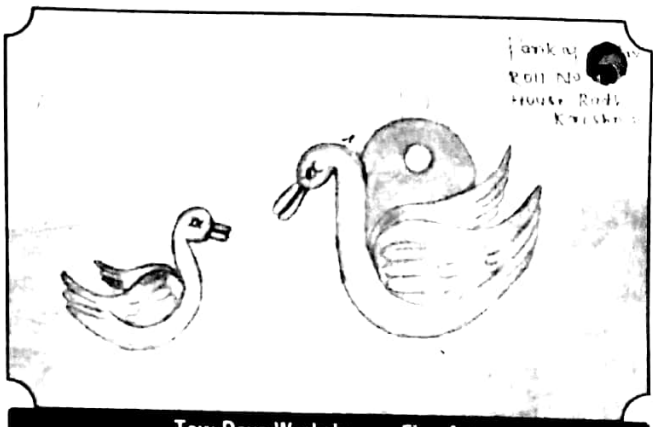

Tow Days Workshop on Fine Arts

Independence Day Celebration

Environmental Awareness Week

Best House of The Month **Aug'16 : Aristotle**

ACHIEVEMENTS

100% Attendance in Aug'2016

Name	Roll No.	Name	Roll No.
Rakesh Kumar Sharma	637	Nutan Kumari	667
Priti Kumari	680	Raj Ranjan Saha	684

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

जैव विविधता संरक्षण

जैव विविधता का संरक्षण मानव जीवन व सहअस्तित्व के लिए आवश्यक है। मनुष्य पारिस्थितिकीय तंत्र का प्रमुख हिस्सा है। जिस प्रकार पारिस्थितिकीय के लिए जीव–जंतु , वनस्पतियाँ और कीट–पतंगे आवश्यक हैं, ठीक उसी प्रकार मनुष्य भी एक आवश्यक प्राणी है। इस श्रृंखला में किसी भी पक्ष को नकारा नहीं जा सकता। पर्यावरण में उपस्थित सभी जैविक तत्व हमारी खाद्य, कृषि, औषधि, उद्योग, आवास तथा मनोरंजन की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। पर्यावरणीय संतुलन को कायम रखने में जैव विविधता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। क्रमिक विकास को जारी रखने में भी इसका विशेष योगदान होता है। पर्यावरणीय प्रणाली प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रकाश संश्लेषण, परागण, वाष्पोत्सर्जन, रासायनिक चक्र, आहार चक्र, मिट्टी का रख–रखाव, जल वायु नियंत्रण, वायु–जल प्रक्रिया प्रबंधन तथा कीट नियंत्रण आदि में सहायक होती है। पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास तथा जैव संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग की दृष्टि से जैव विविधता का संरक्षण अनिवार्यता के दायरे में आता है। जैव विविधता के महत्व को ध्यान में रखकर यह वैश्विक जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करें। वैश्विक स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण के लिए मुख्य रूप से जो दो प्रणालियाँ अपनाई जाती हैं, वे हैं – (1) स्व–स्थान संरक्षण तथा (2) पर–स्थान संरक्षण।

संरक्षण की ये विधियाँ हैं आइये जानें–

(1) स्व–स्थान संरक्षण – जब जीवों और पादपों के संरक्षण के उपाय उनके प्राकृतिक आवासों में ही किए जाते हैं, तो यह विधि 'इन सीटू' संरक्षण विधि कहलाती है। इस प्रकार के संरक्षण द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र के स्तर को सुधारने के भी प्रयास होते हैं। इन सीटू संरक्षण के तहत सुरक्षित क्षेत्रों, यथा–राष्ट्रीय उद्यानों, अभ्यारण्यों तथा जैव आरक्षित क्षेत्रों की स्थापना कर प्रजातियों को संरक्षित किया जाता है।

(2) पर–स्थान संरक्षण – जीव–जंतुओं और पादपों के कुदरती आवास तेजी से नष्ट हो रहे हैं। जब आवास ही नष्ट हो जाता है, तो ऐसे में संरक्षण की संभावना भी खत्म हो जाती है। क्षतिग्रस्त आवासों में भी संरक्षण के कारगर उपाय नहीं हो पाते। ये उपाय व्यावहारिक हो भी नहीं सकते, क्योंकि जो प्रजातियाँ संकटापन्न होती हैं, उनकी विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, जोकि क्षतिग्रस्त आवास में संभव नहीं होती है। ऐसी स्थिति में संरक्षण व बचाव के लिए 'एक्स सीटू' संरक्षण विधि को अपनाया जाता है, जिसके तहत संकटग्रस्त प्रजातियों को बीज बैंकों, वानस्पतिक उद्यानों, चिड़ियाघरों तथा जंतु उद्यानों आदि में रखकर उनके संरक्षण के उपाय सुनिश्चित किए जाते हैं। ये उपाय मानवीय निगरानी में किए जाते है।

विदित हो कि मौजूदा समय में समूचे विश्व में संरक्षित क्षेत्र, प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र, उद्यानों व अभयारण्यों की संख्या 7000 है। इनका फैलाव कुल भूमंडलीय क्षेत्र के 5 प्रतिशत में है। पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्राकृतिक सम्पदाओं का संरक्षण एवं विधिवत् उपयोग के लिए तथा पर्यावरण संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए हमने **ग्रिजली नेचर क्लब** की स्थापना की है जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं उसकी विभिन्न गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी।

प्रो0 विवेकानन्द पाण्डेय
समन्वयक
ग्रिजली नेचर क्लब

नौकर– एक व्यंग्य

मालिक आया थका थकाया,
आते ही नौकर पर गुर्राया,
रामू मेरे हाथ दबाओ–रामू मेरे पैर दबाओ।

नौकर बोला मालिक एक बात बताऊ,
आए तो हैं आप भाषण देकर,
थका होगा गला आपका,
क्यों न आपका गला दबा दूँ,
सारी समस्याओं की जड़ें मिटा दूँ।

नवलेश प्रजापति
641, 2015–17

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

"अपनी हिंदी"

कितनी सुंदर भाषा हिन्दी,
स्वर और व्यंजन अलग–अलग हैं,
अनुस्वार बने इसमें बिन्दी।

विद्वानों की प्यारी भाषा,
कवियों की गढ़ती परिभाषा।
शिक्षा के उत्थान–प्रसार की,
इससे लगी हुई है आशा।

यह अद्भुत सौंदर्य शालिनी,
अलंकारों से सजी रूपसी,
इसमें बड़े चटपटे मुहावरे,
ग्राम्य जन भी सहज उचारें।

इसकी सेवा है धर्म हमारा,
यह छूती है मर्म हमारा।
यह आगे तो भारत आगे,
अशिक्षा का अँधियारा भागे।

आओ हिन्दी पढ़े–पढ़ाएँ,
मातृभाषा का कर्ज चुकाएँ।

ज्योति रानी
655, 2015–17

"MOTHER"

The greatest figure of love and Sacrifice,
She is the one who made me wise.

The greatest lady who brought me in this world,
And taught me each and every word.

Whenever I am in pain,
She cures me with all her brain.

Her immense love can't be repaid,
and her sacrifice can't be remade.

If in any condition, I am unable to cope,
She is the one who gives me a ray of hope.

She always does her duty,
But for us never loses her charm and beauty.

I will keep up her happiness and joy forever,
and will always love her for ever and ever.

Sapna Kumari
617, 2015-17

Book - Post

Editorial Board

Chief Editor :
Dr. Sanjeeta Kumari

Editors
Prof. V. N. Pandey
Prof. P. Kumar
Dr. B. Thakur

Student Editors
Navlesh Kumar Prajapati
Jyoti Rani & Sapna Kumari

To

PRINTED AT: BHAGWATI PRESS, JHUMRITELAIYA, PH.# 06534-222453

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner